" सपोर्ट अवर हीरोज " और उसकी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं / परियोजनाओं जो जरूरतमंद पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए हैं

सपोर्ट अवर हीरोज (एसओएच) दिल्ली स्थित एक रजिस्टर्ड एनजीओ है।
यह भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 की धारा 60 के तहत रजिस्टर्ड है।
इसकी रजिस्ट्रेशन संख्या 246/2017 है।

सपोर्ट अवर हीरोज़ 2017 से जरूरतमंद पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों, विकलांग सैनिकों, वीर नारी/विधवाओं, रक्षा प्रशिक्षण अकादमियों से चिकित्सकीय रूप से बोर्ड आउट कैडेटों / पीबीओआर, नॉन-पेंशनर वृद्ध सैनिकों और उनके परिवारों को समय पर सहायता प्रदान कर रहा है जिनकी किसी भी सरकारी/सशस्त्र बल योजना के तहत मदद नहीं की जा सकती है या उन्हें सरकारी सहायता प्राप्त करने के लिए अत्यधिक प्रतीक्षा अवधि दी जाती है।

सपोर्ट अवर हीरोज कोर टीम

Late Wg. Cdr. Vinod Nebb (Retd),
Vir Chakra & Bar (VrC)
(Patron)

Lt. Col. R D Sharma (Retd)
(Patron)

Lt. Gen. J S Dhillon (Retd),
Vishisht Seva Medal (VSM)
(Patron)

Cdr. (IN) Gavi Kumar (Retd)

(Head of PR & Communications)

Mr. Gaurav Shukla

Co-Founder

(Son of Kargil War Veteran 1999)

Mr. Ranjeet Shukla

Co-Founder

(Son of Kargil War Veteran 1999)

सपोर्ट अवर हीरोज की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं / परियोजनाएं

प्रोजेक्ट पिट्ठू

इसका उद्देश्य 65 वर्ष से अधिक आयु के जरूरतमंद पूर्व सैनिकों (या उनकी विधवाओं) को जीवन भर के लिए मासिक राशन किट प्रदान करना है, जिन्होंने देश की सेवा की लेकिन पेंशन के पात्र नहीं हैं क्योंकि उन्होंने पेंशन योग्य सेवा (15 वर्ष) पूरी नहीं की और मज़बूरन विभिन्न कारणों से समय से पहले सेवानिवृत्ति ले ली।

प्रोजेक्ट सेहत

इसका उद्देश्य 60 वर्ष से अधिक उम्र के जरूरतमंद नॉन-पेंशनर सैनिकों और उनकी विधवाओं को स्वास्थ्य संबंधी लागतों (जैसे डॉक्टर परामर्श, स्वास्थ्य जांच, दवाएं आदि) के भुगतान में मदद करना है ताकि उन्हें; उनके जीवन के अंतिम वर्षों में बहुत अधिक दर्द और दुख से न गुजरना पड़े।

प्रोजेक्ट सक्षम

इसका उद्देश्य हमारे सेवानिवृत्त जरूरतमंद सैनिकों के बच्चों की शिक्षा को सहायता प्रदान कर निरन्तर रखना है, ताकि किसी कारणवश आर्थिक तंगी के चलते उनकी शिक्षा प्रभावित न हो।

प्रोजेक्ट सशक्त

इसका उद्देश्य वीर नारियों/जरूरतमंद बुजुर्ग पूर्व सैनिकों/एवं उनकी विधवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और आजीविका के अवसर प्रदान करना है।

यह उन्हें व्यवसाय बनाने और समृद्ध बनने की शक्ति देता है।

प्रोजेक्ट इंसानियत

इसका उद्देश्य सैनिकों और उनके परिवारों के साथ-साथ समाज के पददलित लोगों को सहायता प्रदान करना है।

इसमें राहत सामग्री, गतिविधियां और वस्तुएं शामिल हैं जिनकी उस समय लाभार्थी को तत्काल आवश्यकता है।

विंग कमांडर विनोद नेब मेमोरियल स्कॉलरशिप

इसका उद्देश्य सभी प्रशिक्षण अकादमियों (एनडीए, आईएमए, ओटीए, एनए, एएफए आदि) के साथ-साथ तीनों सेवाओं के पीबीओआर के प्रशिक्षण केंद्रों के मेडिकल बोर्ड आउट कैडेटों की मदद करना है जो साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से हैं और उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में सहायता की आवश्यकता है।

पूर्व सैनिकों, उनकी विधवाओं / वीर नारी या आश्रित बच्चों को एसओएच की परियोजनाओं के तहत सहायता की तलाश में एक आवेदन भेजने की सलाह दी जाती है, जिसमें उनका मोबाइल नंबर, पत्राचार पता, ईमेल आईडी और उनकी वर्तमान स्थिति और पूछताछ के लिए जो मदद वे चाहते हैं उसका वर्णन करते हुए एक आवेदन inquiry.soh@gmail.com पर भेजें। इसके अलावा, आवेदन राज्य सैनिक बोर्ड (आरएसबी) कार्यालय को सूचित करते हुए निम्नलिखित डाक पते पर पर भी भेजा जा सकता है।

Support Our Heroes (Regd)
WE - 12 B, Rama Park Road,
Mohan Garden, Uttam Nagar,
New Delhi - 110059
Ph. No. **+91-9891562760**
+91-9212129994

SUPPORT *our* HEROES ®

"Serving those who fought for us"

आप इन सुविधाओं को अपने परिचित सैनिक परिवारों के साथ मोबाइल (व्हाट्सप्प) पर साझा कर सकते हैं। आप किसी भी प्रश्न के लिए नीचे दी गयी जानकारी के दुवारा सपोर्ट अवर हीरोज (एसओएच) टीम से संपर्क कर सकते हैं।